Class – VIII विषय- हिन्दी पाठ्यपुस्तक- वसंत	पाठ- 10 कामचोर दिनांक- 21.10.2021

लेखिका- इस्मत चुगताई

शब्दार्थ- **(छात्र केवल पढ़ें व याद करें)**

वाद-विवाद = बहस। कामचोर= काम से जी चुरानेवाला। हिलकर = मेहनत करके। ऊधम= शैतानी। दबैल= दबने वाले।

मटके= घड़े। हरगिज= किसी भी हालत में।

शाही फरमान= अटल निर्णय। फ़र्शी = फ़र्श पर बिछाने वाली।

झटकना= झाड़ना । धुआँधार= लगातार, ताबड़-तोड़।

अट गया= सन गया। बेदम = बिना साँस लिए ।

फ़ौरन = तुरंत । ठूसम-ठास = दबा-दबाकर रखना ।

कुमक = सेना, टुकड़ी । धींगामुश्ती = धक्का-मुक्की ।

लथपथ= गीला होना । आना = पुराने समय में प्रयुक्त पैसे की इकाई।

कायल होना= मान जाना । हाँकना = भगाना ।

ऊट पटांग = अव्यवस्थित । दड़बा= मुर्गियों को रखने की जगह।

कामदानी = कढ़ाईयुक्त दुपट्टा। लुथड़े हुए= सने हुए ।

मोरी = पतली नाली । लगे हाथ= तत्काल, उसी समय।

सूप= अनाज साफ करने का पात्र । लश्टम-पश्टम= जल्दी-जल्दी।

मेंगना = गोली के आकार का मल। लापरवाह= असावधान ।

बेधुली = बिना धुली, गंदी। काबू= नियंत्रण ।

मातम = दुख। छापे मारता = निशान बनाता ।

निम्नलिखित बहुविकल्पीय प्रश्नों के सही विकल्प चुनिए- (छात्र स्वयं हल करेंगे)

क) बच्चों को क्या माना जाता था ?

1) परिश्रमी 3) चालाक

2) कामचोर 4) ईमानदार

ख) कौन नल पर टूट पड़े ?

1) माता-पिता 3) घर के बच्चे

2) घर के नौकर 4) सभी

ग) हज्जन माँ किससे मुँह ढाके सो रही थी ?

1) चादर से 3) साड़ी से

2) रुमाल से 4) दुपट्टे से

घ) सूप में क्या था ?

1) रोटी 3) तरकारी

2) भेड़ों के लिए दाने 4) हरे घास

ङ) भैंस के पिछले दो पैर किससे बाँधे गए ?

1) चाचा जी की चारपाई से 3) खूँटे से

2) झूले से 4) इनमें से कोई नहीं

च) 'कामचोर' कहानी के रचयिता हैं -

1) कामतानाथ 3) भगवती चरण वर्मा

2) इस्मत चुगताई 4) जया जादवानी

छ) नौकरों ने प्रति बच्चों को नहलाने के लिए किस हिसाब से पैसे लिए ?

1) आठ आने 3) चार आने

2) बारह आने 4) सोलह आने

ज) बच्चों ने कहाँ झाड़ू लगाने का फ़ैसला किया ?

1) घर में 3) आँगन में

2) घर के बाहर 4) उपर्युक्त सभी

झ) तरकारी वाली की टोकरी पर जिस समय भेंड़ें टूट पड़ी थीं, उस समय वह क्या तौल रही थी ?

1) आलू-प्याज 3) मटर की फलियाँ

2) गोभी 4) पालक

विशेष - छात्र निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर अपनी उत्तर-पुस्तिका में स्पष्ट व स्वच्छ लिखावट में लिखेंगे -

1. 'कामचोर' कहानी क्या संदेश देती है ?

उत्तर- 'कामचोर' कहानी हमें यह संदेश देती है कि किसी कार्य को अच्छी तरह से करने के लिए समझदारी तथा अनुभव की आवश्यकता होती है। बिना सोचे-समझे अज्ञानता से किया गया कार्य समस्या खड़ी कर सकता है। स्वयं

काम न करने का निश्चय बच्चों को आलसी एवं कामचोर बना देगा। इस प्रकार वे अपने माता-पिता, परिवार, समाज और देश के लिए बोझ बन जाएँगे। समाज में उनका सम्मान कम हो जाएगा। अतः हमें बचपन से ही बच्चों को छोटे-बड़े काम करने को प्रेरित करना चाहिए।

2. बच्चों के ऊधम मचाने के कारण घर की क्या दुर्दशा हुई ?

उत्तर- बच्चों ने काम करने के नाम पर जो ऊधम मचाया उसके कारण घर की निम्नलिखित दुर्दशा हुई-

क) सारा घर धूल से भर गया और चारों ओर कीचड़ फैल गया ।

ख) झाड़ू पूरी तरह से टूट गई ।

ग) घर के सारे बर्तन अस्त-व्यस्त हो गए ।

घ) घर में मुर्गियों, भेड़ों की खूब धमा-चौकड़ी हुई।

ङ) भैंस को दुहने के चक्कर में चाचा जी मुश्किल में पड़ गए।

3. "या तो बच्चाराज कायम कर लो या मुझे ही रख लो।" अम्मा ने कब कहा ? और इसका क्या परिणाम हुआ ?

उत्तर- बच्चों की हरकतों से घर में तूफ़ान आ गया। घर का सारा सामान अस्त-व्यस्त तथा टूट-फूट गया था। काम के नाम पर बच्चों ने इतनी अव्यवस्था फैला दी थी कि ऐसा लगने लगा मानों घर में तूफ़ान आया हो । तब अम्मा ने यह फरमान जारी किया कि यदि घर का काम बच्चे ही करेंगे तो वे यहाँ नहीं रहेंगी। अपने मायके आगरा चली जाएँगी। इसका परिणाम यह हुआ कि अब्बा ने सभी बच्चों को निर्देश दिया कि अब कोई भी घर के काम को हाथ नहीं लगाएगा, यदि किसी ने घर का काम किया तो उसे रात का खाना नहीं दिया जाएगा ।

4. बड़े होते बच्चे किस प्रकार माता-पिता के सहयोगी हो सकते हैं और किस प्रकार भार ? 'कामचोर' कहानी के आधार पर अपने विचार व्यक्त कीजिए ।

उत्तर- बड़े होते बच्चे यदि माता-पिता के कामों में हाथ बटाएँ तथा वे अपने छोटे-मोटे कार्यों के लिए उन पर निर्भर न रहें तो वे उनके सहयोगी बन सकते हैं। अगर वे पूर्णतया अपने माता-पिता पर निर्भर रहेंगे तो वे माता-पिता को भार लगने लगेंगे । 'कामचोर' कहानी में बच्चे प्रत्येक काम के लिए नौकरों

पर निर्भर थे, इससे वे आलसी और निकम्मे बन गए थे। उनमें बचपन से काम करने की आदत ही नहीं डाली गई थी। वे खा-पीकर मोटे, निकम्मे और आलसी बन गए थे। इसलिए परिवार के लिए भार बन गए थे।

====000====

यह पाठ्यसामग्री घर में ही रहकर तैयार की गई ।